प्रागैतिहासिक काल पर प्रकाश डालें

परिचय:
‘प्रागैतिहासिक काल’ (Prehistoric Period) उस समय को कहा जाता है जब मनुष्य ने लेखन कला का ज्ञान प्राप्त नहीं किया था। चूँकि इस युग में लिखित अभिलेख उपलब्ध नहीं हैं, इसलिए इस काल की जानकारी हमें मुख्यतः पुरातात्त्विक साक्ष्यों — जैसे औज़ार, हड्डियाँ, गुफाचित्र, बर्तन और अवशेष — से मिलती है।

- 1. प्रागैतिहासिक काल की परिभाषा

प्रागैतिहासिक काल वह युग है जो लेखन के आविष्कार से पहले का है। इस काल की घटनाओं को पुरातत्व विज्ञान (Archaeology) के माध्यम से जाना जाता है।

- 2. प्रागैतिहासिक काल का वर्गीकरण

पुरातत्वविदों ने इस काल को मनुष्य द्वारा उपयोग किए गए औज़ारों के आधार पर तीन भागों में बाँटा है—

(क) पाषाण युग (Stone Age):

यह काल तब का है जब मनुष्य पत्थर के औज़ारों का प्रयोग करता था। इसे आगे तीन भागों में बाँटा गया है—

1. प्रारंभिक पाषाण युग (Palaeolithic Age):

मनुष्य शिकारी और फल-संग्राहक था।

पत्थर के खुरदरे औज़ारों का प्रयोग होता था।

गुफाओं में निवास करता था।

भीमबेटका (मध्य प्रदेश) की गुफाएँ इस युग की प्रसिद्ध स्थली हैं।

2. मध्य पाषाण युग (Mesolithic Age):

सूक्ष्म औज़ार (Microliths) प्रचलित हुए।

मनुष्य ने शिकार के साथ-साथ कृषि के प्रारंभिक रूप अपनाने शुरू किए।

3. नवपाषाण युग (Neolithic Age):

मनुष्य ने कृषि और पशुपालन आरंभ किया।

मिट्टी के बर्तनों का प्रयोग और स्थायी निवास की शुरुआत हुई।

चिरांद (बिहार), महगर्ह (पाकिस्तान) जैसे स्थल इस युग के प्रमुख केंद्र हैं।

(ख) धातु युग (Metal Age):

जब मनुष्य ने धातुओं का प्रयोग आरंभ किया।

1. ताम्र युग (Chalcolithic Age): ताम्बे और पत्थर के औज़ार एक साथ उपयोग हुए।

2. कांस्य युग (Bronze Age): कांसे के औज़ार और नगरीय सभ्यताओं का विकास हुआ — जैसे हड़प्पा और मोहनजोदड़ो।

3. लौह युग (Iron Age): लौह धातु के उपयोग से कृषि और युद्ध तकनीक में क्रांति आई।

- 3. प्रागैतिहासिक काल के प्रमुख साक्ष्य

औज़ार: पत्थर, हड्डी और धातु के।

गुफाचित्र: भीमबेटका में जानवरों और मानव आकृतियों के चित्र।

अवशेष: अस्थियाँ, अनाज के कण, मिट्टी के बर्तन आदि।

पुरास्थल: भीमबेटका, बेलन घाटी, चिरांद, आदमगढ़, कोल्दीहवा आदि।

- 4. प्रागैतिहासिक काल का महत्व

यह मानव सभ्यता की प्रारंभिक यात्रा को दर्शाता है।

मानव जीवन के विकास – शिकार से कृषि, खानाबदोश जीवन से स्थायी जीवन – की झलक देता है।

यह दिखाता है कि मनुष्य ने धीरे-धीरे प्रकृति पर नियंत्रण प्राप्त करना सीखा।

- निष्कर्ष

प्रागैतिहासिक काल मानव इतिहास का प्रारंभिक और सबसे लंबा अध्याय है। इसमें मनुष्य ने अस्तित्व की मूलभूत चुनौतियों से जूझते हुए संस्कृति और सभ्यता की नींव रखी। यह काल इतिहास के विकास की पहली सीढ़ी कहा जा सकता है।